अन्तर्जाल (इंटरनेट) पर हिन्दी प्रयोग को बढ़ावा

ऋतु वर्मा
शोधार्थी (हिन्दी विभाग)
राजकीय कला महाविद्यालय, कोटा

सारांश – कम्प्यूटर का प्रवेश आम आदमी के जीवन में एक क्रान्तिकारी घटना के रूप में हुआ। यह एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा मनुष्य का जीवन ना केवल सहज, सरल व तीव्र हुआ है बल्कि इसके द्वारा मनुष्य ने दुनिया को अपनी मुट्ठी में कर लिया है। अब बस केवल एक क्लिक के द्वारा ही सम्पूर्ण विश्व आँखों के सामने उपस्थित हो जाता है। आज कम्प्यूटर आधुनिक जीवन का आवश्यक अंग बन गया है। यद्यपि यह 'कृत्रिम बुद्धि' है परन्तु इसकी उपेक्षा सम्भव नहीं है। इसके द्वारा मनुष्य की जीवन-प्रणाली में रोचक बदलाव आए हैं जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। कम्प्यूटर के क्षेत्र में इंटरनेट मनुष्य की सबसे बड़ी खोज है। नए संचार माध्यमों में सर्वाधिक शक्तिशाली सूचना माध्यम के रूप में इंटरनेट तेजी से उभरा है। इंटरनेट के माध्यम से हिन्दी का विकास तीव्र गति से हो रहा है जो कि सराहनीय है। वेब मीडिया इंटरनेट के कारण ही आज लोकप्रिय बन रहा है।

मुख्य शब्द – कम्प्यूटर, इंटरनेट, सॉफ्टवेयर, हिन्दी भाषा

मूल प्रतिपादन – इंटरनेट दुनिया की सबसे अधिक सक्षम एवं तीव्र गति से सूचना देने वाली तकनीक है। इससे करोड़ों कम्प्यूटर परस्पर सूचनाओं का आदान प्रदान करते हैं। यह एक सरल कार्य पद्धति है जिसमें कम्प्यूटर को टेलीफोन लाइन से जोड़कर मनचाही सूचना कुछ सैकण्ड्स में प्राप्त की जा सकती है जैसे समाचार-संदेश, देश-विदेश के पुस्तकालयों के साथ सम्पर्क, इलेक्ट्रॉनिक मेल और पत्र-पत्रिकाओं का अध्ययन आदि बहुत सरल है। डॉ. हरिमोहन अपनी पुस्तक 'कम्प्यूटर और हिन्दी' में लिखते हैं कि "जीवन के अनेकानेक क्षेत्रों में कम्प्यूटर से काम लिया जा रहा है। कारखानों में स्वचालित पंक्ति का संचालन करने, बड़ी-बड़ी प्रयोगशालाओं में खोजबीन करने, अंतरिक्ष विज्ञान में, मौसम पर नजर रखने, अस्पतालों में, रोग का पता लगाने और तदनुकूल इलाज की सलाह देने, यातायात के साधनों को ठीक से चलाने, अपराधियों को पकड़ने, वस्तुओं के नए-नए और टिकाऊ, सुंदर डिजाईन बनाने से लेकर छोटे-बड़े हिसाब-किताब रखने, कार्यालयों के पत्राचार, मुद्रण आदि सैकड़ों कार्यक्षत्र ऐसे हैं जहाँ कम्प्यूटर पहुँच चुका है।" [1]

अत: जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटर की पहुँच है। प्रारम्भ में कम्प्यूटर पर अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व था परन्तु भारत में कम्प्यूटर के आगमन के साथ ही इस पर भारतीय भाषाओं में कार्य किया जा सके इसके लिए प्रयास तेज हो गये। शुरू में डॉस, ऑफिस, विन्डोज, आकृति जैसे सॉफ्टवेयर बाजार में आये जिनसे थोड़ा-बहुत काम हिन्दी में होता था क्योंकि बहुत कम सॉफ्टवेयर वर्ड में चलते थे। इसी कारण प्रारम्भ में भारतीय भाषाओं में कम्प्यूटर की भूमिका नगण्य ही रही लेकिन भारत का बड़ा बाजार एवं अर्थव्यवस्था के कारण कम्प्यूटर कम्पनियों ने हिन्दी भाषा की ओर रुख किया। इसके फलस्वरूप आज कम्प्यूटर में हिन्दी सॉफ्टवेयर, फॉन्ट की भी उपलब्धता के कारण हिन्दी भाषा एवं साहित्य का प्रसार व विकास हो रहा है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में "भाषायी चुनौती का सामना करने के लिए नए जनसंचार माध्यम अब विभिन्न सॉफ्टवेअर टूल्स का निर्माण कर भाषा विकास खासकर हिन्दी भाषा विकास की ओर ध्यान दे रहे हैं। केवल देवनागरी लिपि का कम्प्यूटरी विकास ही हिन्दी का विकास नहीं है बल्कि हिन्दी का सम्पूर्ण कम्प्यूटरी विकास होना जरूरी बन गया है।" [2]

इसी कारण भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के प्रयासों से हिन्दी कम्प्यूटर का एक इनस्क्रिप्ट कुंजीपटल तैयार किया गया है और यूनिकोड सिस्टम, मंगल फोंट के साथ लागू किया गया है। अब किसी भी कम्प्यूटर पर बिना हिन्दी सॉफ्टवेयर और फोंट के हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं और विदेशी भाषाओं में काम किया जा सकता है। आजकल कम्प्यूटरों में यूनिकोड सिस्टम 'इनबिल्ट' आ रहे हैं। अत: कम्प्यूटर के द्वारा हिन्दी व अन्य भारतीय भाषाओं का विकास तेजी से हो रहा है। "कम्प्यूटर में हिन्दी प्रयोग की बढ़ती सम्भावनाओं को ध्यान में रखकर इलेक्ट्रॉनिकी विभाग के भारतीय भाषाओं के लिए 'टेक्नोलॉजी विकास' नामक परियोजना के अन्तर्गत कई प्रोजैक्ट शुरू किए हैं। किसी भी प्रजातंत्र और सरकारी अथवा निजी संगठन में जनभाषा का सम्मान करना फलप्रद होता है। सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए

सूचनाओं का माध्यम जनभाषा होना जरूरी है। इंटरनेट प्रणाली के महाशक्तिशाली तंत्र में भाषा का अपना विशिष्ट स्थान होता है। भाषा प्रौद्योगिकी के अन्तर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स के माध्यम से भाषा का लेखन, पाठन, मुद्रण की नई तकनीक, लिपि का तकनीक के साथ तादात्म्य एवं भाषा-शिक्षण के उपकरणों का विकास आदि सन्निहित है।" [3]

इंटरनेट ने दुनिया भर की कई भाषाओं को प्रचारित, प्रसारित, विकसित व समृ) करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। हमारी हिन्दी भी उन्हीं में से एक है जो इंटरनेट के मंच पर सवार हो लोकप्रियता के आसमान को छू रही है। जो लोग यह सोचा करते थे कि हिन्दी भाषा का भविष्य उज्जवल नहीं है, इंटरनेट पर हिन्दी के प्रसार ने उनका मुँह बन्द कर दिया है। "यह हिन्दी की ताकत ही है जिसने तमाम अखबारों और पत्र-पत्रिकाओं को अपने तमाम अंकों को इंटरनेट पर जारी करने के लिए मजबूर कर दिया है। हंस, कथादेश, तद्भव, नया ज्ञानोदय समेत तमाम प्रकाशित होने वाली गम्भीर साहित्यिक पत्रिकाओं के ई-संस्करणों के अलावा अभिव्यक्ति, अनुभूति, रचनाकार, हिन्दी नेस्ट, कविता कोश सहित हिन्दी ब्लॉग और वेबसाइटों पर तमाम स्तरीय देशी-विदेशी साहित्य महज एक क्लिक की दूरी पर उपलब्ध हैं।" [4]

आज रिश्तों व सम्बन्धों में अनुभूति व प्रेम में ताजगी बनाए रखने के लिए संवाद करने व भावनाओं के आदान-प्रदान के लिए सोशल मीडिया सबसे बेहतरीन विकल्प साबित हो रहा है तथा इसी सोशल मीडिया पर हिन्दी भाषा की धूम मची हुई है "इस नए उभार वाले माध्यम ने नई पीढ़ी को राष्ट्रीय भाषा से जोड़ने में मदद की है। नई पीढ़ी आक्रामक अंदाज में इंटरनेट पर सामने आ रही है। बात चाहे ब्लॉक की हो, सोशल मीडिया की हो या किसी और पक्ष की, इंटरनेट पर युवाओं के तेवर देखने लायक होते हैं। नेट पर हिन्दी आम से लेकर खास आदमी सबको लुभा रही है और इंटरनेट पर हिन्दी की लोकप्रियता में लगातार इज़ाफा होता जा रहा है।" [5]

एक सर्वेक्षण के अनुसार व्हाट्सएप पर प्रत्येक सैकण्ड लगभग ढ़ाई लाख संदेशों का आदान-प्रदान किया जाता है जिसमें भाषा प्रयोग कर्त्ता की दृष्टि से हिन्दी भाषा का स्थान द्वितीय है। हमें गर्व होना चाहिए कि हिन्दी में वह क्षमता है कि वह अन्य भाषाओं के साथ-साथ आगे बढ़ रही है। अब हिन्दी भाषा में संदेश लिखना इतना आसान हो गया है कि वेब ब्राउज़र पर केवल एक टूल इंस्टॉल करने से उपयोगकर्त्ता हिन्दी टाईपिंग में निपुण हो सकते हैं। "ट्विटर ने हिन्दी उपयोगकर्त्ताओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए और अपनी लोकप्रियता का विस्तार करने के लिए हिन्दी के हैशटैग को अपने ट्रेंड में शामिल करने का फैसला किया। भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच के दौरान 'जयहिन्द' हैशटैग खासा चर्चा में रहा था। इसे ट्विटर पर पहला हिन्दी हैशटैग होने का गौरव हासिल हुआ था। इसी तरह महाशिवरात्रि पर 'हर हर महादेव' हैशटैग इंडिया ट्रेंड में शीर्श में शामिल रहा। ट्विटर ने अपनी इस शुरुआत को ग्लोबल हैशटैग नाम दिया। फेसबुक पर भी हिन्दी-भाषियों की अधिकांश पोस्ट हिन्दी में ही आ रही है और इनकी संख्या हर दिन तेजी से बढ़ रही है।" [6]

भारत की जितनी आबादी इंटरनेट का प्रयोग करती है वह अमेरिका, चीन व जापान के बाद चौथे स्थान पर आती है। जिस तेजी से भारत की जनसंख्या बढ़ रही है, उसी तेजी से इंटरनेट उपयोगकर्त्ताओं की संख्या भी बढ़ रही है। आने वाले समय में भारत में विश्व की सर्वाधिक इंटरनेट उपयोगकर्त्ता होंगें। इसी कारण गूगल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह स्वीकार किया है कि "आने वाले कुछ वर्षों में भारत दुनिया के बड़े कम्प्यूटर बाजारों में से एक होगा और इंटरनेट पर जिन तीन भाषाओं का दबदबा होगा वे हैं- हिन्दी, मेंडरिन और अंग्रेजी।" 7 अत: हिन्दी भाशा के विकास में इंटरनेट की अहम् भूमिका है।

निष्कर्ष - आज अनेक आईटी कम्पनियाँ जैसे याहू, गूगल आदि हिन्दी भाषा को अपना रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट के डेस्कटॉप उत्पाद तथा आईबीएम, सन-मैक्रोसिस्टम, ओरक्ल आदि भी हिन्दी भाषा में उपलब्ध हो रहे हैं। अनेक इंटरनेट ब्राउजर जैसे मोजिला, क्रोम, इंटरनेट एक्सप्लोरर, नेटस्केप आदी खुलकर हिन्दी के समर्थन में आगे आ रहे हैं। हिन्दी भाषा में अनेक ज्ञानवर्धक वेबसाइट्स उपलब्ध हैं। यूनिकोड इन कोडिंग सिस्टम ने हिन्दी भाषा को कम्प्यूटर पर प्रयोग करने में अधिक सक्षम बना दिया है। इन सबके बाद भी हिन्दी के उज्जवल भविष्य के लिए हमें हिन्दी भाषा को प्रौद्योगिकी के अनुरूप ढालना होगा। वास्तव में यूनिकोड को अपना कर हम केवल अर्द्धमानकीकरण ही कर पाए हैं अत: यह आवश्यक है कि यूनिकोड के साथ ही इनस्प्टि की-बोर्ड ले-आउट को अपनाने की, जिससे पूर्ण मानकीकरण सम्भव हो सके, इसके अतिरिक्त हमें विज्ञान, तकनीक व वाणिज्य विषयों पर स्तरीय वेबसाइट हिन्दी भाषा में तैयार करनी होगी साथ ही उपयोगी अंग्रेजी वेबसाइट्स हिन्दी में तैयार करनी होगी साथ ही भाषा की सहज प्र ति को बनाए रखते हुए इसमें लचीलापन लाना

होगा। इन प्रयासों से निश्चय ही हिन्दी भाषा के प्रयोग को इंटरनेट पर बढ़ावा मिलेगा।

सन्दर्भ सूची

1. प्रो. हरिमोहन कम्प्यूटर और हिन्दी पृष्ठ 44
2. डॉ. साताप्पा लहू चव्हाण हिन्दी भाषा विकास में नए जनसंचार माध्यमों की भूमिका रचनाकार
3. कोष केंद्रीय हिन्दी संस्थान इंडिया डॉट ऑर्ग
4. संदीप कुमार पांडेय और प्रणव सिरोही इंटरनेट पर फैल रहा है हिन्दी का संसार बिजनेस स्टैंडर्ड 14 सितम्बर 2010
5. संदीप कुमार पांडेय और प्रणव सिरोही इंटरनेट पर फैल रहा है हिन्दी का संसार बिजनेस स्टैंडर्ड 14 सितंबर 2010
6. साकिब ज़िया सोशल मीडिया पर हिन्दी की बढ़ती लोकप्रियता मीडिया मोरचा 19 फरवरी 2016
7. सूचना प्रौद्योगिकी युग और हिन्दी का बढ़ता वर्चस्व देशबन्धु 4 अप्रैल 2011

ISBN: 978-81-954645-0-0